मेरे प्यारे त्रिपुरावासियों,

नमस्कार !

राज्य के सभी नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! इस वर्ष, आजादी का एक विशेष महत्व है, क्योंकि यह भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्षगांठ की प्रतीक है जिसके तहत 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर आप सभी को मेरी बहुत-बहुत बधाई !

इस वर्ष, आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के रूप में कई स्वागतयोग्य अभियान चलाये जा रहे हैं। उसी के अंतर्गत 13 से 15 अगस्त को सभी देशवासी अपने घरों में तिरंगा लहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बना रहे हैं । मैं आशा करता हूँ कि सभी त्रिपुरावासी इस अभियान में योगदान कर रहे होंगे ।

स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए आजादी का त्योहार है। यह स्वतंत्रता सेनानियों की पीढ़ियों द्वारा, कुछ ज्ञात एवं कई अज्ञात के महान बलिदान द्वारा संभव बनाया गया है। आज आप और मैं उनके वीर कर्मों की बदौलत खुले आसमान के नीचे सांस ले रहे हैं। मैं उनकी पवित्र स्मृति को नमन करता हूं।

अब जब हम अपने गणतंत्र की 75वें वर्ष की यात्रा को देखते हैं, तो हमारे पास इस बात पर गर्व करने के कारण हैं कि हमने कितनी दूरी तय की है।

साथ ही हम स्वीकार करते हैं, कि हमें अभी भी उन लोगों के सपनों को साकार करने के लिए, एक लंबा रास्ता तय करना है। हमारा संविधान बड़े सारांश से, उन सपनों को चार शब्दों में समेटे हुए है : न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा । हमें असमान दुनिया में अधिक समानता, अन्यायपूर्ण परिस्थितियों में अधिक न्याय के लिए प्रयास करना चाहिए।

प्रिय साथियों,

मैं भारत के 76वें स्वतंत्रता दिवस पर विशेष रूप से सशस्त्र बलों के उन जवानों को बधाई देता हूं, जिन्होंने बहादुरी से हमारी स्वतंत्रता की रक्षा की, और खुशी-खुशी सर्वोच्च बलिदान देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। साथ ही राज्य की पुलिस और राज्य प्रशासन के सभी कर्मचारियों को अपनी औपचारिक जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक पूरी करने पर बधाई देता हूँ।

ईश्वर से मेरी यह कामना है कि हमारे सभी लोग जिस प्रकार कोविड महामारी के कारण उत्पन्न कठिनाइयों से बाहर आएं हैं, उसी प्रकार सुख-समृद्धि तथा आरोग्य के पथ पर आगे बढ़ें।

एक बार फिर आप सभी को मेरी एवं राज्य सरकार की ओर से शुभकामनाएं एवं धन्यवाद !

जय हिन्द !

আমার প্রিয় ত্রিপুরাবাসী,

নমস্কার!

রাজ্যের সকল নাগরিকদের স্বাধীনতা দিবসের আন্তরিক শুভকামনা। এই বছর স্বাধীনতার এক বিশেষ মাহাত্ম্য রয়েছে কারণ এবার ভারতবর্ষের স্বাধীন হওয়ার ৭৫ তম বর্ষপূর্তি যার জন্য "আজাদি কা অমৃত মহোৎসব" পালন করা হচ্ছে। এই গুরুত্বপূর্ণ সময়ে আপনাদের সবাইকে আমার অনেক অনেক অভিনন্দন।

এবছর স্বাধীনতার ৭৫তম বর্ষপূর্তি হওয়ায় আজাদি কা অমৃত মহোৎসবের অঙ্গ হিসেবে অনেকগুলি অভিযান চালানো হচ্ছে। এই পর্যায়ে ১৩ থেকে ১৫ আগস্ট সকল দেশবাসী নিজেদের ঘরে ত্রিবর্ণ রঞ্জিত পতাকা উত্তোলন করে "হর ঘর তিরঙ্গা" অভিযানকে সফল করছে। আমি আশা করছি যে, সকল ত্রিপুরাবাসী এই অভিযানে নিশ্চিত যোগদান করছেন।

স্বাধীনতা দিবস আমাদের জন্য মুক্তির উৎসব। এটি কিছু জ্ঞাত এবং অজ্ঞাত স্বাধীনতা সংগ্রামীদের মহান আত্মত্যাগ দ্বারা সম্ভব হয়েছে। আজ আপনারা এবং আমি তাঁদের বীরত্বের জন্যই খোলা আকাশের নীচে শ্বাস-প্রশ্বাস নিতে পারছি। আমি তাঁদের পবিত্র স্মৃতিকে প্রণাম জানাই।

এখন, যখন আমরা গণতন্ত্রের ৭৫তম বর্ষের যাত্রাপথ দেখি তখন আমাদের কাছে এ বিষয়ে গর্ব করার কারণ রয়েছে যে আমরা কতটা পথ অতিক্রম করেছি। এর পাশাপাশি আমরা স্বীকার করি যে আমাদের এখনও তাঁদের স্বপ্নকে সত্যি করতে গেলে অনেকটা দীর্ঘ পথ অতিক্রম করতে হবে। আমাদের সংবিধান খুব সংক্ষিপ্তভাবে এই স্বপ্নগুলিকে চারটি শব্দে স্থির করেছে: ন্যায়, স্বাধীনতা, সমতা এবং ভ্রাতৃত্ববোধ। আমাদের এই অসাম্যের পৃথিবীতে অধিক সাম্য, অন্যায়পূর্ণ পরিস্থিতিতে অধিক ন্যায়ের জন্য প্রয়াস করা উচিত।

প্রিয় বন্ধুরা,

আমি ভারতের ৭৬তম স্বাধীনতা দিবসে বিশেষভাবে সেনাবাহিনীর সেই সমস্ত জওয়ানদের অভিনন্দন জানাই যারা বীরত্বের সঙ্গে আমাদের স্বাধীনতার রক্ষা করেছেন এবং হাসতে হাসতে সর্বোচ্চ বলিদান দিতে গিয়ে শহিদ হয়েছেন। এর পাশাপাশি রাজ্যের পুলিশ এবং রাজ্য প্রশাসনের সমস্ত কর্মীদের তাদের স্ব স্ব দায়িত্ব সাফল্যের সঙ্গে সম্পূর্ণ করার জন্য অভিনন্দন জানাই।

ঈশ্বরের কাছে আমি এটাই কামনা করি যে, সবাই যেভাবে কোভিড অতিমারীর কারণে উৎপন্ন কঠিন সময় থেকে বেরিয়ে এসেছে সেভাবেই সুখ, সমৃদ্ধি তথা আরোগ্যের পথে এগিয়ে যাবে।

আমি আবারও একবার আপনাদের সকলকে আমার এবং রাজ্য সরকারের তরফ থেকে শুভকামনা এবং ধন্যবাদ।

জয় হিন্দ!

আনি খাপাঙনি ত্রিপুরানি লুকুরক

খুলুমখা !

হাসতেনি জত' লুকুরকন' য়কমুঙ সাল' খাপাঙনি খা কাহাম য়াফার'। তাকলায় বিসিনি য়কমুঙ সাল কায়সা মুয়তু নারীকজাকনায় সাল তামনি হিনবা তাকলায় ভারত হাকতরনি য়কমুঙ মানমানি ফিল সিনিচিবা বিসি খনচকমা বাগীই ''আজাদি কা অমৃত মহোৎসব'' পালায়জাগীই তঙগ'। অ য়াসি কায়জাকনায় জরাঅ নরগ জতন' আনি বীখাকতীই খা কাহাম য়াফার'।

তাকলায় বিসি য়কমুঙনি ফিল সিনিচিবা বিসি খনচকমা বায় আজাদি কা অমৃত মহোৎসবন' রীগীই কীবাঙমা সামুঙবীতাং রমজাকখা। আবন' রীগীই ১৩ নি সিমি ১৫ আগস্ট' জত' হাকতরনি লুকুরক বায়থাঙনি নগ' জাতীয় বানা তিসামানি বিসিংতীই ''হর ঘর তিরঙ্গা'' সামুঙবীতাংন' কাহাম খীলায় চারীনায়। আঙ খা খীলায়' জত' ত্রিপুরানি লুকুরক অ সামুঙবীতাংগ' মানজাকগানী।

য়কমুঙ সাল অীঙখা চিনি বাগীই কায়সা য়কমুঙনি তের। অব' অীঙগীই মানখা কিসা সিনিজাক তেই কিসা সিনিজাকয়া আব'হায় কীবাঙমা লুকুরক তেই হান' হামজাকনায় সেঙকীরাকরক য়কমুঙনি চবাঅ বায়থাঙনি সাকন' থারমানি বিসিংতীই। তিনি নরগ তেই আঙ বরগনি খা কীরাক খীলায় বায়থাঙন' থারমানি বাগীই তাবুক কাহাম কীরীঙ খীলায় তঙগীই মান'। আঙ বরগনি কীথার মুয়তু মুকুমুন' খুলুমমুঙ য়াফার'।

তাবুক চীঙ অ লুকুরাইদা সালনি ফিল সিনিচিবা বিসি খনচকমানি লামা কলকমান' নাসিকগীই আবন' উানসুকখে চিনি খা কুঙ চুকগীই থাঙগ' আসীক লামা কলক কাখকগীই ফায়মা বাগীই। বনি লগি লগি চীঙ অ ককন' গসিউই তাবুকব' বরগনি ইমাঙন' মুকথাঙ খীলায়না থাঙখে লামা কলকমা হিমনানি নাঙনায়। চিনি সংবিধান বীসাতে খীলায় অ ইমাঙরকন' কায়বীরীই ককনি বিসিংতীই ফুনুকখা- সই রাইদা, য়কমুঙ, থানসা তঙমুঙ তেই তাখুকনি হালক বমানি বিসিংতীই। চিনি অ ফেরলাইমুঙ গীনাঙ হায়ুঙগ' কীবাঙ কীথালায়মুঙ, হাময়া জরাঅব' সই রাইদা বনা বাগীই চায়তকথায় কীলায়'।

খাপাঙনি বায়াপরক,

আঙ ভারত হাকতরনি ফিল সিনিচিবা বিসি য়কমুঙ সাল' খা বায় সেঙকীরাকরকনি আ জত' জওয়ানরকন' খা কাহাম য়াফার' জেরক বায়থাঙনি খা কীরাক খীলায় চিনি য়কমুঙন' মীথাঙগীই নারীকখা তেই বায়থাঙনি সাকন' থারীই বরগনি লাঙমান' হাকতরনি মুঙগীই য়াফারীই রীখা। বনি লগি লগি হাসতেনি নায়মীথাঙ তেই হাসতে হাফাঙনি সামুঙ তাঙনায় জত' তাঙসঙন' বরগনি বায়থাঙনি খীলায়থায় সামুঙন' কাহাম খীলায় চারীমা বাগীই খা কাহাম য়াফার'।

মীতাইনি থানি আঙ আবন' দিয়াইঅ, জেতীইখে কোভিড বেমারি কপরগমা জরান' কাখকগীই ফায়মা হায়খেন' কাহাম কীরীঙ, খুরুমপুই তেই সাক কাহাম খীলায় বীসকাঙগ' আগুকগীই থাঙদি।

আঙ তেইউায়সা নরগ জতন' আনি তেই হাসতে হাফাঙনি বীখাকতীই খা কাহাম তেই হামবাই য়াফার'।

জয় হিন্দ !

****